PURVOTTAR संवाद

0361-3563693
vbsamwad.co.in
admin@vbsamwad.co.in

Year - 2022

गुवाहाटी में 33वाँ राष्ट्रीय शतरंज समारोह सम्पन्न

शिशु शिक्षा समिति असम द्वारा संचालित विद्या भारती बहुमुखी शैक्षिक प्रकल्प हाजोंगबाड़ी गुवाहाटी में 3 दिवसीय 33वीं राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शतरंज समारोह का शुभारंभ विद्या भारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री मान. श्रीराम आरावकर जी ने किया। 259 प्रतिभागी, पर्यवेक्षक एवं अभिभावक इस खेल समारोह में सम्मिलित हुए। 33वें राष्ट्रीय शतरंज समारोह में अंडर 14, अंडर 17 एवं अंडर 19 बालक वर्ग में दक्षिण मध्य क्षेत्र का दल विजयी रहा। अंडर 14 बालिका वर्ग में दक्षिण मध्य क्षेत्र, अंडर 17 बालिका वर्ग में पश्चिम उत्तर प्रदेश क्षेत्र एवं अंडर 19 बालिका वर्ग में दक्षिण मध्य क्षेत्र के दल ने विजय प्राप्त की। मेजवान पूर्वोत्तर क्षेत्र ने अंडर 14 बालक वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि छात्र एवं युवा कल्याण परिषद् असम के सदस्य सचिव गीतार्थ गोस्वामी, विशिष्ट अतिथि बी एल बेरिया सरस्वती शिशु मंदिर दिब्रुगड़ की पूर्व छात्रा एवं राष्ट्रीय ख़िलाड़ी डॉ. अन्वेषा फुकन, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, शिशु शिक्षा समिति असम के साधारण संपादक कुलेंद्र कुमार भगवती, विद्या भारती के खेल संयोजक सौरभ गौतम विशेष रूप से उपस्थित रहे।

संरक्षक
प्रो. गंगा प्रसाद परसाईं

क्षेत्रीय मंत्री
डॉ. जगदीन्द्र राय चौधुरी

क्षेत्रीय संगठन मंत्री
डॉ. पवन तिवारी

सम्पादक
डॉ. बिनीता भगवती

क्षेत्र प्रचार प्रमुख
श्री विकाश शर्मा

पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत सम्पूर्ण देश के लिए है प्रेरणादायक : ब्रह्माजी राव

भारत के प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संस्कृत एवं प्राच्यविद्या अध्ययन संस्थान में एक सङ्गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य आयोजक संस्कृत संस्थान, जेएनयू के प्रोफेसर हरिराम मिश्र रहे। मुख्य वक्ता के रूप में विद्याभारती के पूर्वोत्तर भारत के क्षेत्रीय संगठन मन्त्री श्री ब्रह्माजी राव थे। श्री राव जी ने पूर्वोत्तर भारत में शैक्षणिक और सामाजिक परिदृश्य के परिप्रेक्ष्य में शोध एवं नवोन्मेष की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। पूर्वोत्तर भारत की सामासिक संस्कृति में शैक्षिक शोध एवं विकास की अपार संभावनाएं हैं। जेएनयू जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय और यहां के संस्कृत के शोधछात्रों में पूर्वोत्तर की संस्कृति के विषय में शोध के लिए अग्रसर होना चाहिए, ऐसा श्री ब्रह्माजी राव ने अपने उद्बोधन में कहा।

सङ्गोष्ठी में मुख्य रूप से उपस्थित विद्या भारती के ही क्षेत्रीय मंत्री डॉ जगदीन्द्र राय चौधरी ने पूर्वोत्तर की जैव विविधता के बारे में विस्तार से बताया। विद्या भारती के सह-संगठन मंत्री (पूर्वोत्तर क्षेत्र) डॉ पवन तिवारी ने उपस्थित जनों को पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक विरासत के अध्ययन हेतु आमंत्रित किया। प्रोफेसर हरिराम मिश्र ने संस्कृत संस्थान में हो रहे उच्चस्तरीय गुणवत्तापूर्ण शोधों के विषय में अवगत कराया।संस्थान के डीन प्रोफेसर सुधीर आर्य ने विद्या भारती के साथ मिलकर जेएनयू के विद्यार्थियों के लिए विशिष्ट व्याख्यान का आग्रह किया।उपरोक्त कार्यक्रम में विद्यार्थी गण उत्साहित रहे।कार्यक्रम का सफल संयोजन डॉ.योगेंद्र भारद्वाज ने किया।

जिला केन्द्र विद्यालय पदाधिकारी बैठक

उत्तर असम प्रान्त द्वारा आयोजित जिला केन्द्र विद्यालय पदाधिकारी बैठक में जिला केन्द्र विद्यालयों के प्रधानाचार्य, प्रबंध समिति के अध्यक्ष व संपादक उपस्थित रहे। काशीपति जी ने जिला केन्द्र विद्यालयों के दृढ़ीकरण हेतु बताया कि जिला केन्द्र में संचालित विद्यालयों द्वारा अंकुर से द्वादश तक कक्षाओं, संस्कार केन्द्र, प्रभावी शिशुवाटिका का संचालन होना चाहिए तथा जिला टोली बनाना, मानक परिषद द्वारा विद्यालय का मूल्यांकन होना चाहिए। बैठक में विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री ब्रह्माजी राव, क्षेत्रीय मंत्री डॉ. जगदीन्द्र रॉय चौधरी, सह संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, शिशु शिक्षा समिति असम के मंत्री कुलेन्द्र कुमार भगवती उपस्थित रहे। क्षेत्रीय शिशु वाटिका प्रमुख आनंद सूत्रधर ने प्रभावी शिशु वाटिका के लिए उपयोगी बारह व्यवस्था की जानकारी उपस्थित कार्यकर्ताओं को प्रदान की।

शंकरदेव विद्या निकेतन विष्णुपथ में अटल टिंकरिंग लैब का लोकार्पण सम्पन्न।

नीति आयोग भारत सरकार द्वारा गुवाहाटी में शंकरदेव विद्या निकेतन विष्णुपथ को प्राप्त अटल टिंकरिग लैब का लोकार्पण समारोह सम्पन्न हुआ। लैब में रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक आदि विषयों की शिक्षा छात्र-छात्राओं को मिल पाएगी। अटल टिंकरिंग लैब में आईआर सेंसर से लेकर थ्रीडी प्रिंटर, ड्रोन और अल्ट्रासोनिक सेंसर जैसे अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। लैब का लोकार्पण विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के संगठन मंत्री जे. एम. काशीपति ने किया।

लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि उत्तर पूर्व पर्वतीय विश्वविद्यालय (नेहू) शिलांग के कुलपति डॉ. प्रभा शंकर शुक्ल व विशिष्ट अतिथि के रूप में असम विज्ञान समिति के महासचिव एवं विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र मंत्री डॉ. जगदीन्द्र रॉय चौधुरी उपस्थित रहे। विद्या भारती ने करीब 70 वर्ष पूर्व भारत की परिस्थितियों को पहचानते हुए ऐसी शिक्षा की व्यवस्था की, जो छात्रों को संस्कार दे रही हैं।

भारत सरकार की ओर से बनाई गई अटल टिंकरिंग लैब एक दूरगामी परिणाम प्रदान करने वाली अवधारणा है। डॉ. प्रभा शंकर शुक्ल ने कहा कि अटल टिंकरिंग लैब का इक्कीसवीं शताब्दी की तकनीक में बड़ा महत्व है। यह लैब बच्चों में क्रिएटिविटी पैदा करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रयोगशालाओं में लगन और समर्पण भाव से अध्ययन करें।

आजादी के आंदोलन में चाय बागान के योद्धाओं का है स्वर्णिम अवदान: काशीपति जी

जोरहाट के शंकरदेव विद्या निकेतन गड़मूर में असम चाय जनगोष्ठी शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री जे एम काशीपति उपस्थित रहे। विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री ब्रह्माजी राव और विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के सह संगठन मंत्री डॉ पवन तिवारी भी उपस्थित रहे।

बैठक के पहले सत्र में न्यास के पदाधिकारियों का परिचय और न्यास के कार्यों के बारे में चर्चा की गई। न्यास के मंत्री डॉ. अमल बाउरी ने जोरहाट संकुल के अंतर्गत शंकरदेव शिशु विद्या निकेतनों के प्रधानाचार्यों, नागरिकों और गड़मूर निकेतन के आचार्यों के समक्ष न्यास के बारे में संक्षिप्त विवरण तथा न्यास गठन की पृष्ठभूमि और न्यास द्वारा किए गए कार्यों का लेखाजोखा रखा।

स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव को ध्यान में रखते हुए श्री काशीपति ने न्यास द्वारा प्रकाशित 2022 का वार्षिक कैलेंडर और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने वाले चाय समुदाय के स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में जानकारी वाली एक पत्रिका का अनावरण किया। उन्होंने न्यास के माध्यम से चाय समुदाय के उत्थान के लिए किए गए प्रयासों की सफलता की कामना की और समाज का सहयोग भी मांगा। अंत में न्यास की कोषाध्यक्षा मयूराक्षी देवी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

विद्या भारती के अमृत भवन का लोकार्पण मा.सुरेश सोनी जी ने किया

हाजोंगब्ड़ी में स्थित विद्या भारती बहुमुखी शैक्षिक प्रकल्प के अमृत भवन का लोकार्पण समारोह सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश सोनी जी ने अमृत भवन का लोकार्पण किया। प्रकल्प परिसर में पारिजात का वृक्षारोपण कर पर्यावरण का संदेश प्रदान किया। समारोह में विद्या भारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री मा. श्रीराम आरावकर जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के अध्यक्ष प्रो. गंगा प्रसाद परसाईं, शिशु शिक्षा समिति असम के अध्यक्ष डा. दिब्यज्योति महंत, विद्या भारती बहुमुखी शैक्षिक प्रकल्प के अध्यक्ष साचिंराम पायेंग मंचस्थ रहे।

सुरेश सोनी जी ने उद्बोधन प्रदान करते हुए कहा बच्चों के लिए पहला विद्यालय घर होता है व माँ प्रथम गुरू होती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य बच्चों को सामर्थ्यवान बनाना है। शिक्षा में समग्रता का चिंतन करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा के आधार पर विचार करना चाहिए। संस्कार का भाव शिक्षण संस्थानों में आना चाहिए।

श्री राम आरावकर जी ने मार्गदर्शन प्रदान करते हुए कहा विद्या भारती शिक्षकों के अंदर भाव जागरण का कार्य करती है। शिक्षण क्रिया आधारित व समाज ज्ञान आधारित होना चाहिए। शिक्षा का उपयोग व्यक्तिगत हित से ऊपर उठकर समाज हित में करना चाहिए। शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु विद्या भारती निरंतर प्रयासरत है, इस हेतु शिक्षक प्रशिक्षण का कार्य भी लगभग पूर्ण हो चुका है।

अमृत भवन लोकार्पण समारोह के अवसर पर संघ परिवार के विभिन्न संगठनों के अखिल भारतीय, क्षेत्रीय व प्रांत स्तर के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भवन निर्माण कार्य सम्पन्न कराने वाले कार्यकर्ताओं का सम्मान मा. सुरेश सोनी जी ने किया। शिशु शिक्षा समिति असम के मंत्री कुलेन्द्र कुमार भगवती ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। समारोह में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति व प्रबुद्ध शिक्षाविदों की उपस्थिति रही।

सहस्त्रनाद जैसे समारोह से देश भक्ति की भावना का निर्माण होगा - डॉ. हिमंत विश्व शर्मा

विद्या भारती से सम्बद्ध शिशु शिक्षा समिति असम द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत सहस्रनाद समारोह का आयोजन किया गया। गुवाहाटी के लताशिल खेल मैदान में आयोजित सहस्रनाद समारोह में शंकरदेव शिशु विद्या निकेतनों के 1200 छात्र-छात्राओं ने घोष का सामुहिक प्रदर्शन किया। आजादी के गुमनाम नायक, देश के अमर जवान व असम के वीर योद्धाओं को घोष के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पण करने के लिए दीघली पुखुरी स्थित युद्ध स्मारक की प्रदक्षिणा पथ संचलन के माध्यम से किया।

राम नवमी के शुभ अवसर पर आयोजित समारोह में विद्या भारती के पूर्व छात्र व मातृभारती के कार्यकर्ताओं ने युद्ध स्मारक में 7500 दीप जलाकर राष्ट्र के मंगल की कामना की। समारोह मे मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा व विशिष्ट अतिथि ब्रिगेडियर नारायण दामोदर जोशी एवं विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री ब्रह्माजी राव, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, क्षेत्रीय मंत्री डॉ. जगदीन्द्र रॉय चौधुरी, शिशु शिक्षा समिति असम के अध्यक्ष डॉ. दिब्यज्योति महंत, प्रांत मंत्री कुलेन्द्र कुमार भगवती विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह के समापन अवसर पर मूसलाधार बारिश में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बच्चों का उत्साह वर्धन किया। डॉ. शर्मा बारिश के मध्य बच्चों से मिले और शुभकामनाऐ दी। छात्र-छात्राऐं मुख्यमंत्री जी से मिलकर अत्यंत आनंदित हुए। आकाशीय नाद और सहस्र बच्चों के नाद का दृश्य सदा-सदा के लिए गुंजायमान हो गया। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ट्वीट कर कहा कि इस प्रकार के समारोह के द्वारा देश प्रेम की भावना का संचार होगा जिससे एक समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए प्रेरणा प्राप्त होगी।

क्षेत्रीय प्रशिक्षण टोली बैठक सम्पन्न।

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा क्षेत्रीय प्रशिक्षण टोली बैठक का आयोजन गुवाहाटी के चंद्रपुर स्थित विद्या भारती बहुमुखी शैक्षिक प्रकल्प हाजोंगबाड़ी में किया गया। प्रशिक्षण टोली बैठक में पूर्वोत्तर प्रांतों के प्रशिक्षण प्रमुख, क्षेत्रीय विषय प्रमुख, प्रांतीय शिशु वाटिका व बालिका शिक्षा प्रमुख, प्रांत शोध प्रमुख एवं विद्वत परिषद के संयोजक उपस्थित रहे। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दृष्टि से आचार्य प्रशिक्षण के सम्बन्ध में योजना पर चर्चा हुई। टोली बैठक में प्रशिक्षण वर्गों के आयोजन, योजना, व्यवस्थाओं के बारे में चिंतन किया गया।

विद्या भारती के अखिल भारतीय महामंत्री अवनीश भटनागर, अखिल भारतीय उपाध्यक्ष डॉ. शंकर रॉय, अखिल भारतीय प्रशिक्षण प्रमुख अशोक पाण्डा, अखिल भारतीय सह मंत्री जज्ञवती बसुमतारी जी, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी उपस्थित रहे। पदाधिकारियों के मार्गदर्शन व प्रांत के कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण सम्बन्धी अनुभव साझा किये।

विद्या भारती द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर संस्कार केन्द्र प्रारम्भ।

विद्या भारती द्वारा करीमगंज में संचालित सरस्वती विद्या निकेतन के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री जे एम काशीपति जी उपस्थित रहे। काशीपति जी ने बसंत पंचमी के अवसर पर देवी सरस्वती के चरणों में पुष्पार्चन कर भारत-बांगलदेश की अंर्तराष्ट्रीय सीमा का दर्शन किया। बीएसएफ कैम्प में भारत का राष्ट्रीय ध्वज जवानों को भेंट कर गोविंदपुर गांव में जीरो लाइन पर सरस्वती संस्कार केन्द्र का उद्घाटन किया। शिक्षा, सेवा और संस्कार में अग्रणी भूमिका निभाने वाले सरस्वती विद्या निकेतन करीमगंज द्वारा संस्कार केन्द्र का संचालन किया जाएगा। विद्यालय द्वारा गांव में छात्रों के परिवारों को कंबल वितरित किए गये। मालेगर युद्ध स्मारक में भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में शामिल शहीदों की वेदी पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि व्यक्त की। छात्रों और बीएसएफ जवानों को सम्बोधित करते हुए काशीपति जी ने कहा कि भारत का विभाजन दु:खद एवं दर्दनाक घटना थी। विद्या भारती के छात्रों का यह कर्तव्य है कि वे उन लोगों को याद करें जिन्होनें देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है। विद्यालय के छात्रों ने नृत्य व देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के सह संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी ने छात्रों को विद्या भारती के कार्यों की संक्षिप्त जानकारी प्रदान की।

सरस्वती विद्या निकेतन करीमगंज के पूर्व छात्र सम्मेलन में जे एम काशीपति ने पूर्व छात्रों से आग्रह किया कि विद्यालय के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर 25 सेवा कार्यों की योजना बनाकर समाज के वंचित वर्ग एवं सीमान्त गांव के भाई-बहनों को सुविधा मिले। पूर्व छात्रों ने आगामी कार्ययोजना काशीपति जी के साथ साझा की। रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सीमादर्शन, संस्कार केन्द्र शुभारम्भ एवं पूर्व छात्र सम्मेलन में शिक्षा विकास परिषद दक्षिण असम के सह संगठन मंत्री महेश भागवत, विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव सुबीर बरन रॉय, कोषाध्यक्ष संदीप रॉय, सदस्य समीर दास भी उपस्थित रहे।

सिलचर में शिक्षा विकास परिषद दक्षिण असम प्रांत की कार्यकारिणी बैठक सरस्वती विद्या निकेतन मालूग्राम में सम्पन्न हुई। बैठक में परिषद के अध्यक्ष डॉ. निखिल भूषण डे, उपाध्यक्ष आसीत दत्त, प्रांत मंत्री डॉ. निहारेन्दु धर, प्रांत संगठन मंत्री योगेन्द्र सिंह सिसोदिया व अन्य सदस्यगण सम्मिलित हुए। काशीपति जी ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी विद्यालयों में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जाए। देश के वीरों को इस अवसर पर याद करें। विद्यालय के छात्र शहीद वीरों को श्रद्धासुमन अर्पित करें।

सरस्वती विद्या निकेतन द्वारा सामाजिक समरसता और गुणीजन सम्मान समारोह आयोजित

सरस्वती विद्या निकेतन करीमगंज के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित सामाजिक समरसता और गुणीजन सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विद्या भारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री मा. श्रीराम जी अरावकर जी उपस्थित रहे। उन्होंनें समारोह में सम्बोधित करते हुए कहा कि चौदह सौ वर्षों की पराधीनता की श्रृंखला ने हमारे समाज जीवन में कई असमानताएँ पैदा की हैं। जातिगत भेदभाव पैदा हुआ है और अंग्रेजों ने इन सभी असमानताओं का फायदा उठाकर भारतीय समाज, शिक्षा, सभ्यता और संस्कृति को गुमराह किया है और हमें बहुत पीछे छोड़ दिया है।

उन्होंनें कहा आजादी के 74 साल बाद भी हम समग्र रूप से इस कमजोरी को दूर नहीं कर पाए हैं। भारत के संत महात्माओं और कई सामाजिक संगठनों ने अतीत में कड़ी मेहनत की है और इन सभी सामाजिक असमानताओं को खत्म करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। कई मामलों में परिवर्तन प्राप्त हुए हैं और कई मामलों में अधिक प्रयास की आवश्यकता है। पूरे हिंदू समाज को सभी मतभेदों से ऊपर उठकर एक दूसरे को प्यार और स्नेह में बांधकर भारतीय संस्कृति आधारित एकात्म समरस युक्त राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभानी है।

समारोह में हरिजन से लेकर शिक्षक, फेरीवाला से लेकर वास्तुकार, चिकित्सक, धोवी एवं किसान से लेकर अधिवक्ता आदि सभी 74 व्यवसायों के गुणी प्रतिभाशाली और समाज में महत्वपूर्ण अवदान रखने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। मानव समाज के सभी आवश्यक सेवा प्रदाता, समान महत्व के सम्मान और सम्मान के साथ एक ही मंच मे हिंदू समाज की लघु स्वरूप खड़ा करने का यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नया संदेश ले जाएगा। यदि कोई समाज या कोई सामाजिक संस्था समाज के सदाचारी और गुणी लोगों का श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करती है तो इससे समाज में बहुत से गुणी एवं श्रेष्ठ लोगों का निर्माण होता है और यदि गुणी लोगों की प्रशंसा की जाती है तो समाज में सद्गुण की महिमा का स्वत: ही प्रचार होता है और इससे पूरे समाज को लाभ होता है।

उल्लेखनीय है कि बराक घाटी में 25 वर्षों से विद्या भारती के कार्य में कार्यरत कुछ कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। विशेष रूप से इस विद्यालय की श्रीमती पुलोमा पुरकायस्थ (गोस्वामी) एवं संपा देव (दास) काठाखाल से समीरण चक्रवर्ती एवं अलक पाल, मालूग्राम सिलचर से सुदीप्ता भटाचार्य, कालाईन से श्री निवास चक्रवर्ती, डलू से श्री बिबेकानंद देव पुरोकायस्थ, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुहास रंजन दास द्वारा स्वागत वक्तव्य के वाद असम परिवहन निगम के अध्यक्ष श्री मिशन रंजन दास और विद्या भारती दक्षिण असम संगठन मंत्री श्री योगेंद्र सिंह सिसोदिया ने अपना विचार संक्षेप में रखा। रजत जयंती समारोह समिति के अध्यक्ष कमलेश रंजन दे और सचिव सुबीर बरन रॉय ने धन्यवाद ज्ञापन और आभार व्यक्त किया।

असम हाईस्कूल परीक्षा की प्रावीण्य सूची में डेढ़ दशक से शंकरदेव विद्या निकेतनों के छात्रों का परचम।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बन्धित शिशु शिक्षा समिति असम द्वारा संचालित शंकरदेव शिशु विद्या निकेतनों के छात्र प्रतिवर्ष असम हाईस्कूल परीक्षा की प्रावीण्य सूची में परचम लहराते आ रहे हैं। इस वर्ष आये परीक्षा परिणाम के अंतर्गत राज्य में शंकरदेव विद्या निकेतन चराईबाही की छात्रा विदिशा नाथ ने नवम स्थान, शंकरदेव विद्या निकेतन मोरीगांव के छात्र कौस्तव ज्योति नाथ, शंकरदेव विद्या निकेतन वनगांव माजुली के छात्र अनुराग बोरा, शंकरदेव विद्या निकेतन नलबारी के छात्र दिब्यज्योति लहकर एवं छात्रा धृतिस्मिता डेका के दसवां स्थान प्राप्त किया।

विद्या भारती द्वारा संचालित विद्यालय राज्य की मातृभाषा माध्यम में शिक्षा प्रदान करते हैं। जहाँ छात्रों को देशभक्ति के साथ संस्कार प्रदान किये जाते हैं। छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु विद्यालयों में 5 आधारभूत विषयों की शिक्षा भी प्रदान की जाती है। शिक्षा के बदलते स्वरूप को ध्यान में रखते हुये आचार्यों को प्रशिक्षित किया जाता है।

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, क्षेत्रीय मंत्री डॉ. जगदीन्द्र रॉय चौधरी, शिशु शिक्षा समिति असम के अध्यक्ष डॉ. दिब्यज्योति महंत, मंत्री कुलेन्द्र कुमार भगवती ने छात्रों को शुभकामनायें प्रेषित की। इस वर्ष माध्यमिक शिक्षा बोर्ड असम द्वारा आयोजित परीक्षा में विद्या भारती के 9692 के विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। 5291 विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान, 2847 विद्यार्थियों ने द्वितीय स्थान, 698 विद्यार्थियों ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 1418 छात्रों ने स्टार, 13070 छात्रों ने लेटर, 1099 छात्रों ने विशिष्ट स्थान प्राप्त किया।

क्षेत्रीय कार्यालय प्रमुख बैठक आयोजित

क्षेत्रीय कार्यालय प्रमुख बैठक का आयोजन असम प्रकाशन भारती गुवाहाटी में सम्पन्न हुआ। बैठक में विद्या भारती के अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष श्री जैनपाल जैन, अखिल भारतीय मंत्री श्री ब्रह्माजी राव, पूर्वोत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी जी, क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष श्री विकास नागपुरिया जी, सीए श्री अरूण चौधरी, शिशु शिक्षा समिति हाईस्कूल उप समिति असम के मंत्री श्री वशिष्ठराम डेका, क्षेत्रीय कार्यालय मंत्री विकाश शर्मा द्वारा विभिन्न प्रबंधन सम्बन्धी विषयों पर चर्चा की गई। कार्य के अभिलेखीकरण और कार्यालय के डिजिटलीकरण के सम्बन्ध में उपस्थित कार्यकर्ताओं को जानकारी प्रदान की गई।

विशिष्ट समाजसेवी ताई तागक कृष्णचन्द्र गांधी पुरस्कार से सम्मानित।

पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति द्वारा कृष्णचन्द्र गांधी पुरस्कार समारोह का आयोजन सुदर्शनालय गुवाहाटी में किया गया। समारोह में असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में मुख्य वक्ता विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान नई दिल्ली के महामंत्री अवनीश भटनागर, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति व विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के अध्यक्ष प्रो. गंगा प्रसाद परसाईं जी, पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति के अध्यक्ष सदा दत्त व कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। समारोह में वर्ष 2021 के लिये कृष्णचन्द्र गांधी पुरस्कार अरूणाचल प्रदेश के विशिष्ट समाजसेवी ताई तागक को प्रदान किया गया। समारोह में अवनीश भटनागर ने भाषण देते हुये कहा विद्या भारती शिक्षा क्षेत्र में कार्यरत विश्व का सबसे बड़ा अशासकीय शिक्षा संस्थान है। विद्या भारती ने शिशु वाटिका शिक्षा पद्धति अनुभव के आधार पर विकसित की है। विद्या भारती शिक्षा के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास करते हुये देशभक्त नागरिक तैयार करने का कार्य करती है। शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने कहा हमें विचार करना चाहिए देश के लिये हम क्या कर रहे हैं। उन्होनें कहा शिक्षा का प्रथम स्थान घर होता है, उसके बाद समाज से शिक्षा प्राप्त होता है। उसके पश्चात ही पाठ्यपुस्तकों पर आधारित शिक्षा विद्यालयों में प्राप्त होती है। सामाजिक शिक्षा व पाठ्यपुस्तकों पर आधारित शिक्षा व्यवस्था के बीच की दूरियों को कम करने के लिये राष्ट्रीय शिक्षा नीति है। पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति विगत वर्ष 2007 से शिक्षा क्षेत्र के कर्मयोगी समाजसेवकों को कृष्णचन्द्र गांधी पुरस्कार प्रदान कर रही है। ताई तागक जी को पुरस्कार में स्मृति चिन्ह, फूलोम गमछा, पुस्तकें, इरी चादर व एक लाख रूपये का चैक सम्मान स्वरूप प्रदान किया गया। ताई तागक जी ने सम्मान राशि कृष्णचन्द्र गांधी फाउण्डेशन हेतु दान की।

विद्या भारती द्वारा आयोजित गणित - विज्ञान मेला में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

शंकरदेव विद्या निकेतन विष्णुपथ गुवाहाटी में क्षेत्रीय गणित विज्ञान मेला का आयोजन किया गया। पूर्वोत्तर राज्यों में संचालित विद्या भारती के विद्यालयों से 400 छात्रों ने क्षेत्रीय गणित विज्ञान मेला में भाग लिया। छात्रों ने प्रकाश के स्पेक्ट्रम के अनुप्रयोग, मानव उत्सर्जन तंत्र, ध्वनि तरंग गति, सेंसर और नवाचारित प्रयोगों पर आधारित विज्ञान मॉडल प्रस्तुत किये। क्षेत्रीय गणित विज्ञान मेला में कक्षा छठवीं से दसवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विज्ञान प्रदर्श का लोकार्पण शंकरदेव एजुकेशन एवं रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष रामानंद दास ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विज्ञान प्रमुख तपन शर्मा, प्रांतीय विज्ञान प्रमुख भास्कर दास उपस्थित रहे। विज्ञान प्रदर्श के साथ छात्रों ने विज्ञान एवं वैदिक गणित के पत्र वाचन एवं प्रश्नमंच प्रतियोगिता में भाग लिया।

असम लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य प्रशासनिक सेवा हेतु चयनित शंकरदेव शिशु / विद्या निकेतन के पूर्व छात्रों को सम्मानित किया।

विजित पाठक
शंकरदेव शिशु निकेतन
मुशलपुर

बिदिशा बोरा
शंकरदेव शिशु निकेतन
हेंगेराबारी

त्रिनयन चमुवा
शंकरदेव शिशु निकेतन
ढकुआखना

मानस प्रतिम चौधुरी
शंकरदेव शिशु निकेतन
ढकुआखना

शुभजीत खाउण्ड
शंकरदेव शिशु निकेतन
नाओबैचा

देबाशीष कायस्थ
शंकरदेव शिशु निकेतन
नाओबाईचा

हिमांशु घोहाई
शंकरदेव शिशु निकेतन
धेमाजी

मृगंक गर्ग
शंकरदेव शिशु निकेतन
बोकाखात

बिक्रमजीत बरुआ
शंकरदेव शिशु निकेतन
उत्तर लखीमपुर

प्रज्ञाज्योति लस्कर
शंकरदेव शिशु निकेतन
कामपुर

हीराकज्योति देका
शंकरदेव शिशु निकेतन
विष्णुपथ

पूरबी कलिता
शंकरदेव शिशु निकेतन
विष्णुपथ

जिंतुमणि बर्मन
शंकरदेव शिशु निकेतन
बरबरी

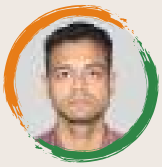

भास्करज्योति कलिता
शंकरदेव शिशु निकेतन
छयगांव

भार्ज़िल कलिता
शंकरदेव शिशु निकेतन
बरमा

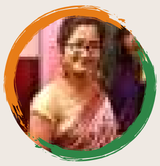

हेना दत्त
शंकरदेव शिशु निकेतन
तेजपुर

दीपशिखा बुढ़ागोहाईं
शंकरदेव शिशु निकेतन
बिहपुरिया

हिमांशु दास
शंकरदेव शिशु निकेतन
पलाशबारी

असम में विद्या भारती की योजना से संचालित शंकरदेव शिशु/विद्या निकेतनों के असम लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले पूर्व छात्रों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में असम सरकार के पर्यावरण और वन मंत्री चंद्रमोहन पटवारी मुख्य अतिथि और असम पुलिस के विशेष महानिदेशक, कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार विरोधी शाखा जीपी सिंह मुख्य वक्ता तथा उत्तर पूर्वी वित्त विकास निगम के चेयरमैन श्री पी वी एस एल एन मूर्ती जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

श्री जी पी सिंह जी ने पूर्व छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य समाज में व्याप्त बुराइयों को मिटाना होना चाहिए, साथ ही गरीब लोगों की सदैव सहायता करना चाहिए।

समारोह में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के मंत्री डॉ. जगदीन्द्र राय चौधुरी एवं संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी जी, शिशु शिक्षा समिति असम के अध्यक्ष डॉ. दिब्यज्योति महंत एवं मंत्री श्री कुलेंद्र कुमार भगवती जी उपस्थित रहे।

चाय जनजातीय समाज के उत्थान की यात्रा में बढ़े एक और कदम

असम चाय जनगोष्ठी शिक्षा संस्कृति न्यास के छात्रावास का उद्घाटन

पौराणिक शहर तेजपुर में आज असम चाय जनगोष्ठी शिक्षा संस्कृति न्यास द्वारा शहीद मंगल कुर्कु छात्रावास का उदघाटन किया गया। छात्रावास का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह क्षेत्र प्रचारक वशिष्ठ बुजरबरुआ ने किया। यह कार्यक्रम वैदिक विधि से आयोजित किया गया जिसमें तेजपुर शहर के प्रमुख गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह में न्यास के सचिव डॉ अमल बाउरी ने कहा कि शहीद मंगल कुर्कु छात्र निवास चाय समुदाय के उत्थान में विशेष योगदान देगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह क्षेत्र प्रचारक वशिष्ठ बुजरबरुआ ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था में अंग्रेजों द्वारा किए गए षडयंत्र के कारण हम आज भी गुलामी मानसिकता से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। हम आजादी के 75 साल का जश्न मना रहे हैं, लेकिन क्या हम वास्तव में स्वतंत्र हैं। एक राष्ट्र तब तक विकसित नहीं हो सकता जब तक उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास की भावना न हो। विद्या भारती स्वदेशी शिक्षा प्रणाली के माध्यम से भारतीय समाज में आत्मविश्वास और आत्मसम्मान की भावना जगाने का कार्य कर रही है। यह न्यास विद्या भारती के मार्गदर्शन में चाय समुदाय की शिक्षा और संस्कृति के उत्थान के लिए गठित एक न्यास है। न्यास का लक्ष्य तेजपुर की तरह ही असम के हर जिले में छात्रावास स्थापित करना है। यदि आप सभी इस कार्य में सहयोग प्रदान करते हैं तो ट्रस्ट अपने उद्देश्यों को तेजी से सफलता के साथ पूरा करेगा।

समारोह के अंत में न्यास के सचिव डॉ. अमल बाउरी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस मौके पर तेजपुर के सांसद पल्लव लोचन दास, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डा. पवन तिवारी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तेजपुर विभाग के कार्यवाह जयंत शर्मा, न्यास के अध्यक्ष रंजीत बोरा तथा सदस्य बीरेन कोइरी, प्रबुद्ध लेखक सुशील कुर्मी और अन्य लोगों ने इस पहल की प्रशंसा की।

असम में आई भयानक बाढ़ के समय शिक्षा विकास परिषद, दक्षिण असम के कार्यकर्ता व पूर्व छात्रों ने निरंतर सेवा कार्य में सहयोग प्रदान किया। आवश्यक सामग्री की आपूर्ति करने के साथ विद्यालयों को आश्रय स्थल के रूप में उपयोग किया। 107 परिवारों के 870 लोगों को सहायता प्रदान की गई।

उमरांग्सू में विद्यालय भवन का मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा ने किया लोकार्पण

असम के पर्वतीय जिले डिमा हसाओ के उमरांग्सू में सरस्वती विद्या मंदिर के विद्यालय भवन का लोकार्पण असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा ने किया। असम सरकार के अनटाइड फण्ड की सहायता से विद्यालय भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ। लोकार्पण समारोह में बिजली, सहकारिता, खान, खनिज, स्वदेशी एवं जनजातीय आस्था और संस्कृति विभाग मंत्री श्रीमती नन्दिता गोरलोसा, डिमा हसाओ स्वायत्तशासी परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य श्री देबोलाल गोरलोसा, कार्बीआन्लोंग स्वायत्तशासी परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य श्री तुलीराम रोंगहंग, शिक्षा विकास परिषद दक्षिण असम के उपाध्यक्ष श्री अपूर्ब कु. नाथ, सरस्वती विद्या मंदिर परिचालन समिति के मार्गदर्शक श्री रामकुईवांग्वे न्यूमे व विश्व हिन्दू परिषद गुवाहाटी क्षेत्र संगठन मंत्री डॉ. दिनेश तिवारी उपस्थित रहे।

आचार्य प्रशिक्षण वर्ग, मेघालय

मेघालय शिक्षा समिति द्वारा 21 से 30 जुलाई तक कांची कामकोटी विद्या भारती विद्यालय शिलांग में आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया किया गया। प्रशिक्षण वर्ग में गारो, खासी, जयंतिया विभाग के 28 आचार्यों ने प्रतिभाग किया। ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण वर्ग में विद्या भारती की कार्यपद्धति, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, कक्षाओं में नवाचार, आदि विषयों पर आचार्यों को प्रशिक्षित किया गया।

Adopt to Education

मेघालय शिक्षा समिति द्वारा आयोजित "Adopt to Education" का शुभारम्भ विद्या भारती के अखिल भारतीय सेवा क्षेत्र की शिक्षा के प्रभारी श्री शिव प्रसाद जी, उत्तर पूर्वांचल पर्वतीय विश्वविद्यालय के कुलपति श्री प्रभा शंकर शुक्ला जी व मेघालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री रिनोह्मो सुन्गोह जी ने किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत दानदाता सीधे अपने खाते से शिक्षा हेतु सहयोग प्रदान कर सकते हैं। आर्थिक संकट के कारण कोई छात्र शिक्षा से वंचित न हो इस उद्देश्य से यह कार्यक्रम प्रारंभ किया गया।

गुणवत्तायुक्त शिक्षा से समाज बढ़ेगा : राज्यपाल सत्यपाल मलिक

श्री काञ्ची कामकोटी शंकर हैल्थ, एजुकेशन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट व पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति के संयुक्त तत्त्वावधान में "श्री काञ्ची कामकोटी विद्या भारती विद्यालय" भवन का लोकार्पण मेघालय के राज्यपाल श्री सत्यपाल मलिक ने किया। मेघालय की राजधानी शिलांग में राज्यपाल श्री सत्यपाल मलिक, विशिष्ट उद्योगपति श्री शंकर लाल गोयनका, पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री बसन्त अग्रवाल, मेघालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री रिनोह्मो सुन्गोह, उत्तर पूर्वी इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य और चिकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. नलिन मेहता, शिलांग टाइम्स की चीफ एडिटर श्रीमती पेट्रिका मुखिम की गरिमामयी उपस्थिति में लोकार्पण समारोह सम्पन्न हुआ।

नवनिर्मित भवन में विद्यालय के साथ ही जीवनराम मुंगीदेवी गोयनका कॉलेज का भी लोकार्पण राज्यपाल के कर कमलों से सम्पन्न हुआ। समारोह में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के मंत्री डॉ जगदीन्द्र रॉय चौधुरी, मेघालय शिक्षा समिति के संगठन मंत्री समीर सरकार व प्रांत मंत्री कमल कुमार झुनझुनवाला व शिलांग के विशिष्ट शिक्षाविद, व्यवसायी व गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

शंकरलाल गोयनका ने कहा कि पूर्व में बालाजी मंदिर बनाने का विचार हुआ था, शंकराचार्य जी ने विद्या का मन्दिर बनाने हेतु सुझाव दिया, जहां विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर सकें। राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने उद्बोधन प्रदान करते हुए कहा शिक्षा देश को ताकत प्रदान करती है, गुणवत्तायुक्त शिक्षा से समाज आगे बढ़ता है।

पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति के अध्यक्ष बसन्त अग्रवाल ने कहा देश में विद्या भारती का कार्य 1952 से चल रहा है। विद्या भारती संस्कारयुक्त वातावरण में देशभक्ति से युक्त शिक्षा प्रदान करती आ रही है। मेघालय में विद्या भारती द्वारा मेघालय शिक्षा समिति के माध्यम से विद्यालयों का संचालन किया जाता है। शिलांग में यह विद्यालय 2004 में प्रारम्भ हुआ था। समाज के सहयोग से आज शैक्षिक गुणवत्ता की दृष्टि से नवीन भवन का लोकार्पण हुआ है। उन्होनें समाज से विद्याल़ व छात्रावासों के लिये सहयोग प्रदान करने हेतु आग्रह किया।

भाऊराव देवरस बालक छात्रावास, गांधीग्राम का लोकार्पण मान. गोबिंद चन्द्र महन्त जी ने किया

त्रिपुरा के गांधीग्राम में भाऊराव देवरस बालक छात्रावास का लोकार्पण विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री मान. गोबिंद चन्द्र महन्त जी ने 28 नवम्बर 2022 को किया। लोकार्पण समारोह में त्रिपुरा सरकार के जनजाति कल्याण मंत्री श्री रमापद जमातिया, विद्या भारती के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष डॉ. शंकर रॉय, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी व त्रिपुरेश्वरी विद्या मंदिर गांधीग्राम के अध्यक्ष श्री धीरेन्द्र कलई उपस्थित रहे। विद्यालय के भैया बहनों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

निवेदिता चिल्ड्रन स्कूल हुआ विद्या भारती में सम्मिलित

त्रिपुरा के कुमारघाट में संचालित निवेदिता चिल्ड्रन स्कूल को विद्यालय प्रबंध समिति और विद्या भारती शिक्षा समिति त्रिपुरा के मध्य अनुबंध के द्वारा विद्या भारती में सम्मिलित किया गया। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष ने विद्यालय की भूमि, भवन व अन्य दस्तावेज विद्या भारती के पदाधिकारियों को प्रदान कर प्रसन्नता प्रकट की। समारोह में प्रबंध समिति के सदस्य, आचार्य गण, अभिभावक व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री मान. गोबिंद चन्द्र महन्त, विद्या भारती के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष डॉ. शंकर रॉय, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी उपस्थित रहे।

सामाजिक कार्यकर्ता अशोक एवं अल्का वार्णेकर कृष्णचंद्र गांधी पुरस्कार से सम्मानित।

पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति द्वारा विगत 16 वर्षों से जनजाति क्षेत्र में विशेष रूप से शिक्षा हेतु कार्य करने वाले महानुभावों को प्रदान किया जा रहा है। कृष्णचंद्र गांधी पुरस्कार समारोह का भव्य आयोजन तेजपुर के बाण थियेटर में आयोजित किया गया। पुरस्कार समारोह में आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री अशोक सिंहल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में मुख्य वक्ता विद्या भारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री यतीन्द्र शर्मा जी एवं त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो गंगा प्रसाद परसाई जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। वर्ष 2022 के लिए कृष्ण चंद्र गांधी पुरस्कार संयुक्त रूप से अशोक वार्णेकर एवं अल्का वार्णेकर को प्रदान किया गया। अशोक एवं अल्का वार्णेकर विगत 30 वर्षों से पूर्वोत्तर के जनजाति व चाय बागान के विद्यार्थियों के लिये कार्य कर रहे हैं।

अशोक वार्णेकर ने कहा सामाजिक परिवर्तन लाने के लिये गति बढाना आवश्यक है, इसके लिए रिसर्च करना आवश्यक है।

यतीन्द्र शर्मा जी ने अपने भाषण में कहा संकल्प व प्रेरणा से समाज के अन्य लोग भी सेवाकार्य हेतु आगे आयेंगे। परिश्रम पूर्वक श्रद्धेय कृष्णचंद्र गांधी ने कार्य किया। वे शिक्षाविद् व श्रेष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता थे। उन्होंने विद्या भारती के विद्यालयों का प्रथम पुष्प गोरखपुर में प्रारम्भ किया। आज वर्तमान में 12 हजार औपचारिक व 13 हजार अनौपचारिक शिक्षा केंद्रों में 35 लाख विद्यार्थियों को डेढ़ लाख आचार्यों के माध्यम से विद्याभारती द्वारा शिक्षा प्रदान कर रही है। कृष्णचंद्र गांधी जी के मन में जनजाति समाज के प्रति मन में संवेदना थी और उन्होंने पूरे देश में जनजाति क्षेत्र की शिक्षा के प्रकल्प खड़े किये।

असम सरकार के मंत्री अशोक सिंहल जी ने उद्बोधन प्रदान करते हुए कहा कृष्णचंद्र गांधी जी ने जनजाति समाज में शिक्षा अच्छी हो इस हेतु प्रदान किया। उसी प्रकार अशोक वार्णेकर जी ने अपना जीवन जनजाति समाज में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने में लगा दिया। विद्या भारती के अधिकतम विद्यालय पिछड़े अंचलों में शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। शंकरदेव विद्या निकेतन असम में सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। शिक्षा के साथ ही संस्कार प्राप्त करने वाले छात्र विद्या भारती के रहते हैं। मेरा सौभाग्य है हाफलांग में जनजाति शिक्षा के प्रथम प्रकल्प के प्रारंभ के अवसर पर वर्ष 1983 में सपरिवार रहने का अवसर प्राप्त हुआ।

Computer Training Centre Inaugurate at Imphal

Vidya Bharati Shiksha Vikash Samiti, Manipur inaugurated Computer Training Centre at Sudarshan Hall Bal Vidya Mandir Palace Compound, Imphal today (17th August, 2022 at 8.30 am). The inauguration was attended by Shri Govind Chandra Mahanta Ji(Chief Guest) Akhil Bharatiya Sangthan Mantri Vidya Bharati
Shri Y. Khogen Singh, President Shiksha Vikash Samiti, Manipur in the presence of guests of honour Dr. Harikumar Palathadka (Chancellor MIU, Imphal, Dr. Pawan Tiwari, Kshetriya Sangthan Mantri Vidya Bharati Purvottar, Dr Bhabeswor Tongbram (VC, MTU) and other prominent citizens of Manipur.

INTER SCHOOL SCIENCE FEST 2022, Arunachal Pradesh

- 138 students and 39 escorting teachers from 17 schools participated in this 3 day event under 3 categories i.e. Sub Junior (Class IV-V), Junior (Cl VI-VIII) and Senior (Cl IX-X).
- This Science Fest was inaugurated on 8th October 2022 in the august presence of Madam Padmini Singala, IAS, Commissioner (Education) GoAP as Chief Guest, eminent mechanical engineer Prof. Pinakeshwar Mahanta (Director, NIT Jote, Arunachal Pradesh) as Guest of Honour, Dr. Jagadindra Ray Chaoudhury, Secretary, Vidya Bharati Purvottar Kshetra as Special Guest and Shri Tai Tagak, our patron as Chairman of the function.
- During this 3 day event, inter school competitions were held in Science & Maths Quiz, Science Seminar, Science experimentation, Science Exhibition and Science Paper presentation. The topics of these competitions are the same that are prescribed by Vidya Bharati at national level.
- Resource persons and Judges from various schools like GHSS Polo Colony, GSS Pachin, Little Rose School, Naharlagun, Dera Natung College Itanagar assessed the performance of students as judges.
- Valedictory Function was held on 10th October, 2022 i.e. Shri Brahmaji Rao Ji, National Secretary Vidya Bharati Akhil Bharatiya Shiksha Sansthan and Shri Niri Chongrowju Member APSCPCR, was present as chief guest and guest of Honour at the concluding function. Sri.Tai Tagak ji, Founder Member and Patron of ASVS was also present in the program.Sri Tai Tagak ji enlightened the students with his words of wisdom. Shri Nabam Ruja, Vice President, ASVS and Shri Gyamar Kassung, Secretary, ASVS was also present. Prize and Certificate were distributed to the participants.

Celebration of Azadi Ka Amrit Mahotsav

Man. Gobinda Chandra Mahanta ji, All India Organising Secretary, Vidya Bharati along with Dr. Pawan Tiwari Ji, Organising Secretary, Vidya Bharati Purvottar Kshetra inaugurated Har Ghar Tiranga Abhiyan in Arunachal Pradesh by Handovering National Flag to Er. Taba Tedir, Hon'ble Minister for Education etc. Govt. of Arunachal Pradesh and His mother at Yazali, Lower Subanisiri district on 10th August 2022.

Inauguration of newly constructed school complex

Sri Chowna Mein, Hon'ble Deputy Chief Minister, Arunachal Pradesh along with a host of Cabinet Ministers and dignitaries and also Man. Gobinda Chandra Mahanta ji, All India Organising Secretary, Vidya Bharati attended the inauguration of newly constructed school complex at Abotani Vidya Niketan, Old Ziro, and Lower Subansiri district. In that programme Hon'ble Deputy Chief Minister also participated in Har Ghar Tiranga Abhiyan by ceremonially handovering the National Flag to National Organising Secretary on 11th August 2022.

Teachers Training Programme

Arunachal Shiksha Vikas Samiti conducted a seven day Teachers Training Programme for the newly recruited teachers of schools in Arunachal Pradesh from 4th to 11th August 2022 at Abotani Vidya Niketan, Old ziro. A total of 50 teachers from different schools under the Samiti participated in the weeklong training programme. Subject Experts took classes on various topics related to teaching learning process and NEP 2020. Practice Teaching and Micro Teaching were also the part of the Training.

26th Inter School Sports Meet, Arunachal Pradesh

The 26th Inter school sports meet of schools under Arunchal Shiksha Vikas samiti was held from 17 to 20 December 2022 at Donyi Polo Vidya Niketan, Talom Rukbo Nagar Pasighat. A total of 512 students and 57 escorting teachers from 26 schools under the samiti took part in the four days event, which was conducted after a gap of 2 years owing to covid related restriction.

Er. Taba Tedir Ji, Honorable Minister, Education, Cultural Affairs & DIA GoAP and Shri Tai Tagak Ji, Honorable Advisor to HCM, Govt. of Arunachal Pradesh attended the inaugural function as chief Guest and Guest of Honour respectively., Shri Bamang Tago, Secretary General, Arunachal Olympic Association, Shri Tayi Taggu, Deputy Commissioner, East Siang District and Shri S. Jha, Superintendent of police also attended the inaugural ceremony.

Besides track and field events, various other sports events were also conducted in the four days meet.

Shri Alo Libang Ji, Hon'ble Minister, Health & Family Welfare, WCD, Govt. of Arunachal Pradesh and Shri Ninong Ering, Honorable MLA, 37 Pasighat West AC, were present as Chief Guest and Guest of Honor Respectively in the valedictory functio. Medals and Certificate were distributed to the winners and other participants.

Mizoram - Seminar on Education and Culture of Janajati Society

On the occasion of Silver Jubilee Year of Purvottar Janajati Shiksha Samiti, a seminar was organized in the state on the subject of education and culture of Janajati society at Rajiv Nagar on 22nd Sept' 2022, Marpara on 23rd Sept' 2022 and at Nunsuri on 26th Sept'2022. in Mizoram. Shri Pranjit Pujari, Asstt. Secreatry of PJSS was specially present in all the three seminars.

SCHOOL SCIENCE FESTIVAL, NAGALAND

A science festival was organized by the students and Teachers of Heraka Vidya Bharati School, Jalukie-B and VB Infant Digital Home School Dimapur on Monday, 2nd May' 2022. A short message was delivered by the science teacher of both the schools on the sides of science festival celebration in the school to create a scientific awareness among the students. The science teacher of VBIDH School explained about the solar system to the class I-III students.

TEACHER'S ORIENTATION CAMP

Janjati Shiksha Samiti Organised 4 days TEACHER'S ORIENTATION CAMP from 29th June to 2nd July, 2022 for the teachers working under the Vidya Bharati Schools. Prominent Resource person present a various topics relating to the teachers and students during the programme .The camp was organised with the goal to bring about the changes in the lives of the students through Simple, Knowledgeable, and Efficient Teaching – Learning Techniques.

Physical Development Camp

From 8th to 13th July 2022 Physical Development Camp was organized at Heraka Vidya Bharati School, Jalukie-B. All the students of the school and 26 students from the Gamadi Vidya Bharati School participated in that camp. The camp was organized by Janajati Shiksha Samiti Nagaland. Shri Golmei Dicoy Rongmei, Prant Nirikshak coordinated the camp with the help of the teaching staff of Heraka Vidya Bharati School. Classes were taken by the alumni and some resource persons.

समाचार पत्रों में प्रकाशित

प्रातः खबर

अमृत उत्सव जन-गण-मन का पर्व : काशीपति

विद्या भारती के पूर्णकालीन कार्यकर्ताओं व जिला केंद्र विद्यालय पदाधिकारियों की बैठक संपन्न

प्रेरणा भारती

विद्या भारती द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर संस्कार केन्द्र प्रारम्भ

प्रातः खबर

3 फरवरी 2022

विद्या भारती के पूर्णकालीन कार्यकर्ताओं व जिला केंद्र विद्यालय पदाधिकारियों की बैठक संपन्न

पूर्वांचल प्रहरी

विद्या भारती का अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर संस्कार केंद्र प्रारंभ

दैनिक पूर्वोदय

विद्या भारती की पूर्णकालीन कार्यकर्ता बैठक संपन्न

प्रेरणा भारती

शंकरदेव विद्या निकेतन विष्णुपथ में अटल टिंकरिंग लैब का लोकार्पण सम्पन्न

प्रातः खबर

विद्या भारती का अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर संस्कार केंद्र शुरू

सरस्वती विद्या मंदिर हाफलांग में आचार्यों व पूर्व छात्रों की बैठक संपन्न

দৈনিক অসম

শংকৰদেৱ শিশু কুঞ্জত স্বাধীনতাৰ অমৃত মহোৎসৱ

दैनिक पूर्वोदय

शंकरदेव विद्या निकेतन विष्णुपथ में अटल टिंकरिंग लैब का लोकार्पण

स्वाधीनता अमृत महोत्सव

पूर्वांचल प्रहरी

स्वाधीनता का अमृत उत्सव जन-गण-मन का पर्व : काशीपति

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा ३३वीं राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन

योद्धाओं का है स्वर्णिम अवदान: काशीपति

प्रेरणा भारती

विद्या भारती के अमृत भवन का लोकार्पण सुरेश सोनी ने किया

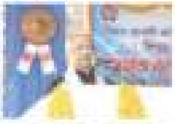

दैनिक पूर्वोदय 4 April 2022

विद्या भारती के अमृत भवन का लोकार्पण

विद्या भारती के अमृत भवन का लोकार्पण किया सुरेश सोनी ने

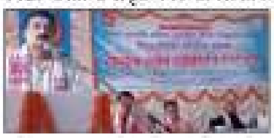

विद्या भारती की पूर्णकालीन कार्यकर्ता व जिला केन्द्र विद्यालय पदाधिकारी बैठक सम्पन्न

मन का पर्व महान: जे.एम. काशीपति

पूर्वांचल प्रहरी

विद्या भारती के अमृत भवन का सुरेश सोनी ने किया लोकार्पण

चाय जनजातीय समाज के उत्थान की यात्रा में बढ़े एक और कदम

असम चाय जनगोष्ठी शिक्षा संस्कृति न्यास के छात्रावास का उद्घाटन

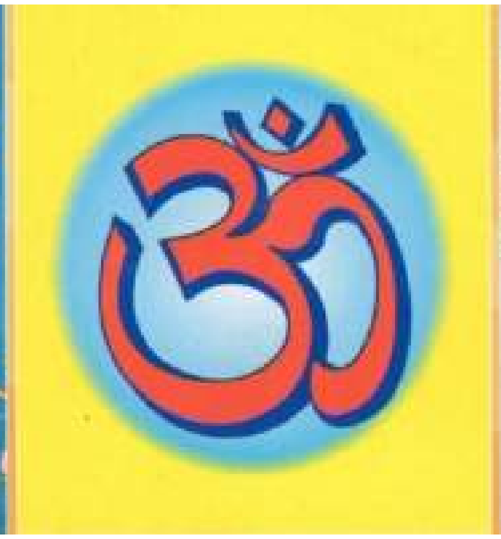

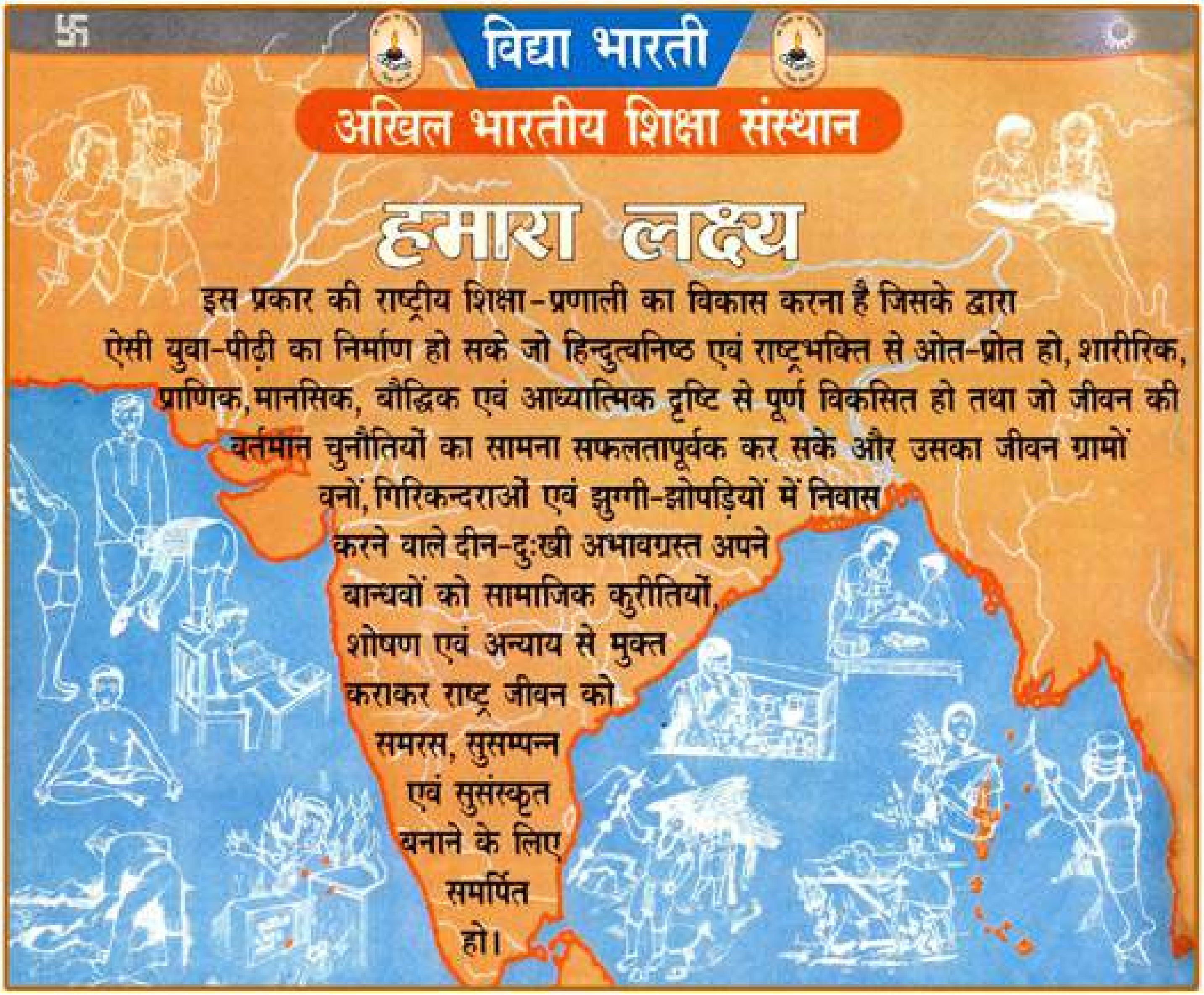

0361-3563693 vbpurvottarkshetra@gmail.com Vishnupath, RGB Road, Guwahati